हिमाचल प्रदेश राज्य वन विभाग के वन परिक्षेत्राधिकारियों व उप-राजिकों के लिए वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड व मृदा परीक्षण आधारित पोषक तत्व प्रबंधन विषय पर कार्यशाला का आयोजन

(08/10/2024)

आई.सी.एफ.आर.ई.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान,शिमला द्वारा दिनाँक 08/10/2024 को हिमाचल प्रदेश वन विभाग के वन परिक्षेत्राधिकारियों (रेंजर्स) व उप-राजिकों के लिए **'वन मृदा स्वास्थ्य और मृदा परीक्षण आधारित पोषक तत्व प्रबंधन'** विषय पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला हाइब्रिड तरीके से आयोजित की गई और इसमें हिमाचल प्रदेश के विभिन्न वन मंडलों से कुल 65 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जिसमें से **चौपाल, कोटगढ़, रामपुर, रोहड़ू, ठियोग, सुकेत, शिमला (शहरी), शिमला, सोलन, कुनिहार** और **बिलासपुर** वन मंडलों के 21 प्रतिभागी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे और अन्य (45) गूगल मीट के माध्यम से जुड़े थे। इस एक दिवसीय कार्यशाला में हिमाचल प्रदेश राज्य वन विभाग मुख्यालय, टालैंड, शिमला से **श्री अनिल शर्मा, आई.एफ.एस., मुख्य वन संरक्षक (मानव संसाधन एवं प्रशासन)**, ने उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

आरंभ में एच.एफ.आर.आई. के निदेशक **डॉ.संदीप शर्मा** ने मुख्य अतिथि एवं अन्य प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रतिभगियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा संस्थान द्वारा अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत, हिमाचल प्रदेश के 37 वन मंडलों के लिए **वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड** तैयार किए गए है। उन्होंने कहा कि इस क्षमता निर्माण कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रतिभगियों को **वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड** का फ़ील्ड स्तर पर अनुप्रयोग करने के लिए कार्यसाधक ज्ञान प्रदान करना और वन परिक्षेत्राधिकारियों/ उप-राजिकों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित करना है ।

अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि **श्री अनिल शर्मा, आई.एफ़.एस.** ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मृदा के महत्व व स्वास्थ्य पर प्रकाश डाला और वृक्षारोपण गतिविधियों को करने से पहले मिट्टी के भौतिक और रासायनिक, अभिलक्षणो के मूल्यांकन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने आशा व्यक्त कि इस कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान प्रतिभागियों के लिए उपयोगी होगा और उन्हें अपने संबंधित प्रभाग में मिट्टी की स्थिति को समझने में मदद मिलेगी।

तकनीकी सत्र के दौरान, **डॉ. आर.के .वर्मा, वैज्ञानिक-जी और परियोजना समन्वयक**, ने प्रतिभागियों के को **वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एफ.एस.एच.सी)** के बारे में एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया और बताया कि शोध परियोजना में प्रदेश के विभिन्न मंडलों से अलग – अलग वन प्रकारों/वनस्पतियों के आधार पर मिट्टी के नमूने एकत्रित कर कुल 12 पैरामीटर का मानक विधियों द्वारा विश्लेषण व आंकलन किया गया है। उन्होने जानकारी प्रदान कि सभी वन मंडलों के लिए **वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड को** द्विभाषी रूप में डिज़ाइन किया गया है तथा इनमें में परीक्षण आधारित पोषक तत्व प्रबंधन और कार्बनिक व अकार्बनिक उर्वरकों के उपयोग की भी जानकारी दी गई है ।

इसके बाद, **वन अनुसंधान संस्थान(एफ़.आर.आई.),** देहारादून के मृदा वैज्ञानिक **डॉ. विजेंदर पाल पंवार,** जो इस अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना के राष्ट्रीय परियोजना समन्वयक (एन.पी.सी.) है, उन्होंने प्रतिभगियों के समक्ष अपने विचार रखे और परियोजना की संकल्पना, क्रियान्वयन व महत्ता पर रोशनी डाली। डॉ.वी.पी. पंवार ने प्रतिभागियों को स्पष्ट करते हुए कहा, कि यह शोध परियोजना भारत सरकार के पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा वितपोषित की गई है तथा भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहारादून के सभी क्षेत्रीय संस्थानो द्वारा चलाई जा रही है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने प्रतिभागियों को हिमाचल प्रदेश के परिपेक्ष्य में वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड की विवरणात्मक जानकारी दी और पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्व,उनकी कमी के अभिलक्षण और वन पारिस्थितिकी तंत्र में पोषक तत्वों का चक्रण के बारे में विस्तृत और ज्ञानवर्धक प्रस्तुतीकरण दिया।

कार्यशाला के दौरान, एच.एफ़.आर.आई. के निदेशक ने प्रतिभागियों को पौधशाला तकनीक तथा कम्पोस्ट खाद बनाने के विषय में महत्वपूर्ण और उपयोगी ज्ञान सांझा किया। इसके अतिरिक्त संस्थान के वैज्ञानिक **डॉ अश्वनी तपवाल** ने पौधशाला में जैव-उर्वरकों के उपयोग के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया और शंकुधारी तथा चौड़ी पत्ती वाले जंगलों में वृक्षों की जड़ों और मिट्टी में पायी जाने वाली फंगस(कुकुरमुत्ता)के सहजीवी संबंध द्वारा पौधों को वृद्धि के लिए जरूरी पोषक तत्वों की उपलब्धता के बारे में जानकारी प्रदान की। अंत में, श्री दुष्यंत कुमार, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी व परियोजना सह-अन्वेषक ने मिट्टी विश्लेषण के आधार वन मृदा कार्ड में दर्शाये गए पैरामीटर के मानक और परीक्षण वैल्यू तथा कार्बनिक/ अकार्बनिक उर्वरकों के मात्रा पर प्रस्तुतीकरण दिया। कार्यशाला के पूर्ण सत्र के दौरान, सभी ने परस्पर चर्चा में भाग लिया तथा मृदा परीक्षण और परियोजना से संबन्धित कुछ प्रश्न भी पूछे। अंत में औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का सफल समापन हुआ।

कुछ झलकियाँ

हिमाचल प्रदेश वन अधिकारियों के लिए
Capacity Building Workshop on

Range Forest Off...
Sheetal Chittu
Inder Singh
Sanjeev Sharma
Sher Singh
Vikram Jeet
Dinesh Angirus
manish sharma
Anjana Singh
Akshay Rana
Deepak Attal
Amar Singh
Narag Range
BIR FOREST RAN...
Devanshu Thakur
rfo kohu
15 others
itcelhfri shimla
11:21 | Capacity Building Workshop on FSHC

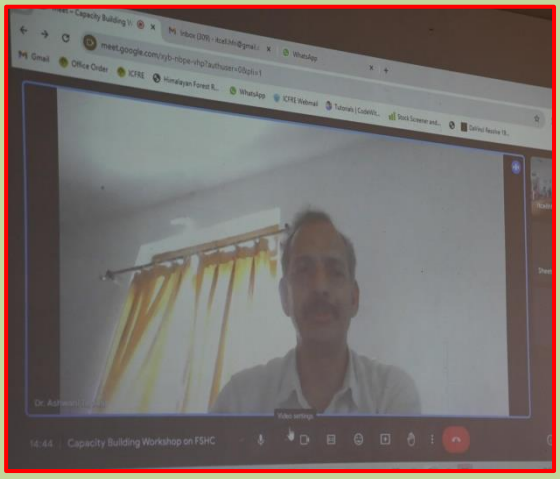
Capacity Building Workshop on FSHC

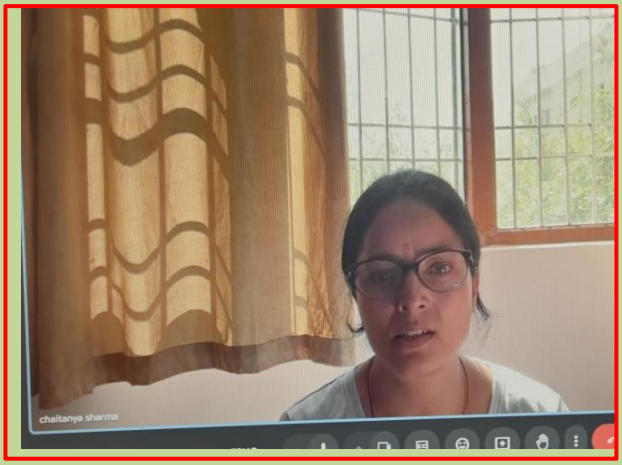
chaitanya sharma

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
Himalayan Forest Research Institute, Shimla